

20/11/26

पुनः 10 ला पत्र ही कविद्वय
यदि नही: काट - 2 कावाले



हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज

अगस्त १९६१ को लखनऊ / अकालत
 एगिन्ट्री होने पर पशावली
 अलग पेशी अलग दायरी में
 खारिज की जाती थी पशावली
 कोषला अंक का रिकॉर्ड कमल
 थे B